

**DISCIPLINE OF MARATHI****Title of the course:** मराठी व्याकरणाचा पुनर्विचार**Review of Marathi Grammar****Course code:** MAR-500**Number of credits:** 4**Number of hours:** 60**Effective from AY:**2022-2023

|               |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |                                                                                                                                                                                                  |
|---------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| आवश्यकता :    | विद्यार्थ्यांना मराठी व्याकरणविषयक ज्ञान असणे आवश्यक आहे. तसेच मराठी वर्णमाला माहित असणे आवश्यक आहे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |                                                                                                                                                                                                  |
| उद्दिष्ट्ये : | मराठी भाषेच्या व्याकरणाचा वेगवेगळ्या व्याकरणकारांच्या मतमतांतरांच्या आधारे मराठी भाषेच्या व्याकरणाचे पूर्णपणे आकलन करून भाषेतील व्याकरणाचा पुनर्विचार करणे ज्यामुळे वेगवेगळ्या व्याकरणकारांची मतमतांतरे अभ्यासून विद्यार्थ्यांची व्याकरणिक जाणीव वाढीस लागेल.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |                                                                                                                                                                                                  |
| अभ्यासक्रम :  | <p><b>श्रेयांकन 1: मराठी व्याकरण : तात्त्विक विचार</b></p> <p>I. व्याकरणाच्या रचनेचे आणि अभ्यासाचे प्रयोजन</p> <p>II. व्याकरणासाठी आधार भाषा : प्रमाण की बोली ?</p> <p>III. मराठी व्याकरणाची परंपरा</p> <p>IV. व्याकरणाच्या पुनर्विचाराची दिशा</p> <p>V. संस्कृत व इंग्रजी व्याकरणाचा मराठी व्याकरणावरील प्रभाव</p> <p><b>श्रेयांकन 2: मराठी व्याकरण: स्थूल रूपरेषा</b></p> <p>I. वर्ण, शब्द, क्रियापद (आख्यात) व प्रयोग</p> <p>II. विभक्ती, वाक्य</p> <p><b>श्रेयांकन 3:</b></p> <p>अ) वर्णविचार : मराठी वर्णमालेच्या पुनर्विचाराची आवश्यकता</p> <p>I. वर्णांचे उच्चारभेद</p> <p>II. स्वरांच्या ऱ्हस्व – दीर्घत्वामागील तत्त्व</p> <p>III. वर्णसंख्या, बाराखडीचे स्वरूप</p> <p>आ) शब्दजाती : विचार आणि पुनर्विचार</p> <p>I. नामाचे प्रकार</p> <p>II. सर्वनाम</p> <p>III. विशेषण</p> <p>IV. क्रियाविशेषण</p> <p>V. शब्दयोगी व केवलप्रयोगी अव्यय</p> <p><b>श्रेयांकन क्रमांक 4: अ) विभक्तिविचार :</b></p> <p>I. विभक्ती प्रत्ययावरून की अर्थावरून : मतमतांतरे</p> <p>II. विभक्तींची संख्या : मतमतांतरे</p> <p>आ) क्रियापदविचार (आख्यातविचार) व वाक्यविचार</p> <p>I. क्रियापदविचार : काळ व अर्थावरून की प्रत्ययावरून</p> | <p><b>तासिका</b></p> <p>२</p> <p>२</p> <p>३</p> <p>४</p> <p>४</p> <p>१०</p> <p>५</p> <p>१</p> <p>२</p> <p>२</p> <p>२</p> <p>२</p> <p>२</p> <p>२</p> <p>२</p> <p>१</p> <p>२</p> <p>२</p> <p>१</p> |

|                  |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |                       |
|------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------|
|                  | II. संयुक्त क्रियापद<br>III. शक्य व प्रयोजक क्रियापद<br>IV. प्रयोग विचार<br>V. कर्ता<br>VI. कर्म व पूरक यांमधील वेगळेपणा<br>VII. वाक्यपृथक्करण, वाक्यातील शब्द चालविणे व त्यांची युक्तायुक्तता.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | १<br>३<br>१<br>१<br>३ |
|                  | एकूण                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | ६०                    |
| अध्यापन पद्धती : | व्याख्याने, चर्चासत्र, स्वाध्याय, पावर पॉईन्ट सादरीकरण इत्यादी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |                       |
| शैक्षणिक फलित:   | १. मराठीच्या व्याकरणाचे स्वरूप विद्यार्थ्यांच्या लक्षात येईल.<br>२. मराठीच्या व्याकरणात विवादाचे मुद्दे कोणते आहेत व त्यांचे स्वरूप काय आहे हे विद्यार्थ्यांना समजेल.<br>३. मराठीच्या व्याकरणात कालानुरूप कसे बदल झाले हे लक्षात येईल.<br>४. आधुनिक काळात मराठीच्या व्याकरणात कोणत्या बदलांची आवश्यकता आहे याची जाणीव विद्यार्थ्यांना होईल.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |                       |
| संदर्भ ग्रंथ :   | १. अर्जुनवाडकर कृष्ण श्री., 'मराठी व्याकरण वाद आणि प्रवाद', सुलेखा प्रकाशन, पुणे, १९८७<br>२. दीक्षित प्र. ना., 'मराठी व्याकरण: काही समस्या', फडके बुक सेलर, कोल्हापूर, १९८०<br>३. अर्जुनवाडकर कृष्ण श्री., 'मराठी व्याकरणाचा इतिहास', मराठी विभाग, मुंबई विद्यापीठ, मुंबई, १९९१<br>४. वाळंबे मो. रा., 'मराठी व्याकरण' नितीन प्रकाशन, पुणे, २००७<br>५. आचार्य म. ना., 'मराठी व्याकरणविवेक' संजय प्रकाशन, पुणे, १९९०<br>६. मंगळूरकर अरविंद, 'मराठी व्याकरणाचा पुनर्विचार', पुणे विद्यापीठ, पुणे, १९७८<br>७. गोविलकर लीला, 'मराठीचे व्याकरण', मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, २००६<br>८. दामले मोरो केशव, 'शास्त्रीय मराठी व्याकरण' रघुनाथ दामोदर यंदे प्रकाशन, पुणे, १९६५<br>९. गोखले द. ना., 'शुद्धलेखनविवेक', सोहम प्रकाशन, पुणे, १९९३ |                       |